रहा था। नये सिगनल, कांटे, सम्मुख कांटों के पाश (facing point locks), बिजली के स्लाट, मार्ग-परिपथ (track circuits) और नियंत्रण के दूसरे उपस्कर लगाये जा रहे थे और उन्हे चालू कर के आजमाया जा रहा था। अन्तर्पाश के लिए दो बड़े कैबिन बनाने थे जिनमें से एक में ४६ और दूसरे में ५६ लीवरों की व्यवस्था करनी थी। यह बडा काम था, इसलिए इसे चालू करने में कई दिन लग गये। सिगनल और अन्तर्पाश की नयी व्यवस्था चालू हो गयी है और अब सन्तोषजनक ढंग से काम कर रही है।

(घ) सवाल नही उठता।

इलाहाबाद-अम्बाला पैसेंजर

१२९६. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री**: क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) १ अगस्त और ३० नवम्बर, १९५८ के बीच मुरादाबाद स्टेशन पर इलाहाबाद-अम्बाला पैसेजर और १ ए-सी-एम गाडी का कितनी बार मेल नही हो सका; और

(ख) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां): (क) ५१.

(ख) इस बात की पूरी कोशिश की जा रही है कि इन गाडियो का मेल होता रहे।

उत्तर प्रदेश में सिंचाई योजनायें

१२९७. **श्री भक्त दर्शन**: क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री ४ दिसम्बर, १९५८ के तारांकित प्रश्न संख्या ५६७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उत्तर प्रदेश सरकार को छोटी छोटी सिंचाई योजनाओ के लिये १९५८-५९ के वित्तीय वर्ष में १ करोड़ १० लाख रुपयों का जो अनुदान दिया गया था, उसकी सहायता से कौन-कौन सी सिंचाई योजनायें पूरी की गयीं ;

(ख) १९५९-६० के वित्तीय वर्ष के लिये इस मद में उत्तर प्रदेश सरकार को कितनी धन राशि दी जा रही है ; और

(ग) उक्त धन राशि से किन-किन सिंचाई योजनाओं को पूरा किया जायेगा ?

खाद्य और कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन): (क) इस अतिरिक्त एलोकेशन के द्वारा किन्ही विशेष योजनाओं के पूरे होने की विशेष जानकारी देना मुमकिन नहीं है। उन छोटी सिंचाई योजनाओं का विवरण नं० १ पटल पर रख दिया गया है जो कि राज्य सरकार द्वारा भेजी रिपोर्ट के अनुसार १९५८-५९ मे पूरी हो चुकी है और जिनके पूरे होने की आशा है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १९]

(ख) सन् १९५९-६० में समस्त छोटी सिंचाई योजनाओं के लिये कुल उपबन्ध २७९.७० लाख रुपयों का किया गया है।

(ग) पूछी हुई जानकारी विवरण नं०२ मे दी गई है जो सभा-पटल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १९]

Platform Guides

1298. **Shri Nagi Reddy:**
Shrimati Parvathi Krishnan:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration to abolish the platform guides at major stations; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No.

(b) Does not arise.